सत्यमेव जयते

अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग
CHAIRMAN
UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

संदेश

दिनांकः ३० सितंबर, २०२२

प्रिय मित्रों,

०१ अक्तूबर को संघ लोक सेवा आयोग के ९६वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मैं आयोग के अपने साथी माननीय सदस्यों और सभी माननीय पूर्व अध्यक्षों एवं सदस्यगणों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। आयोग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी मेरी ओर से मंगलकामनाएं।

०२. मैं आयोग में पिछले पांच वर्ष से अधिक समय से सेवारत हूँ और मुझे ०५ अप्रैल, २०२२ से अब तक के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवधि के दौरान मैं सेवारत और सेवानिवृत्त अनेक वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभिन्न शैक्षिक और व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिला हूँ। उनमें से प्रत्येक ने निर्विवाद रूप से आयोग के संवैधानिक दायित्वों के कर्त्तव्य निर्वहन में सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में आयोग की विशिष्ट छवि के बारे में अपनी पुरानी यादें साझा की।

धौलपुर हाऊस शाहजहां रोड नई दिल्ली 110 069 भारत
Dholpur House Shahjahan Road New Delhi 110 069 India
Telephone +91 11 233 81688, Fax 233 81145

०३. आयोग की मजबूती उस विशद ज्ञान और विवेक में है जो हमारे माननीय सदस्यगण अपनी समृद्ध एवं विविध व्यावसायिक पृष्ठभूमि से युक्त होने के नाते आयोग को समृद्ध करते हैं। हम इस ज्ञानपुंज को बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहते हैं। हमें अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि हम ०१ अक्तूबर, १९२६ को संस्थापित इस महान संस्था से जुड़े हैं।

०४. भारतीय स्वतंत्रता के ७५वें वर्ष में जब पूरा देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है, तब आयोग भी वर्ष २०२६ में अपनी शताब्दी की ओर अग्रसर है। अगले २५ वर्षों में "अमृत काल" के दौरान आयोग अनेक नई पहल करने जा रहा है जो नई उपलब्धियां हासिल करने में सहायक सिद्ध होंगी, जब देश अपनी आजादी के १०० वर्ष पूर्ण करेगा।

०५. इस बात पर बल देने की आवश्यकता नहीं है कि संघ लोक सेवा आयोग प्रशासनिक नैतिकता एवं उत्कृष्टता का उद्गम स्थल है, और उन हजारों मेधावी अधिकारियों की मातृसंस्था है जो राष्ट्र की सेवा में कार्यरत रहे हैं या कार्य कर रहे हैं। आयोग की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लाखों उम्मीदवारों में से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों की अनुशंसा करता है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा के संघटन एवं स्वरूप को न्यायोचित, स्वच्छ, निष्पक्ष और न्यायसंगत तरीके से योग्यता आधारित सिद्धांत के प्रगतिशील अनुप्रयोगों ने अत्यधिक लाभ पहुंचाया है।

०६. लोक सेवाओं में भर्ती की प्रणाली में निरंतर सुधार एवं नवीनीकरण होते रहे हैं। संघ लोक सेवा आयोग सदैव ऐसी भर्ती प्रणाली विकसित करने के लिए प्रयासरत रहा है जो लोक प्रशासन की लगातार बढ़ती विशिष्टताओं के लिए अपेक्षित कौशल एवं सामर्थ्य का परीक्षण कर सके। इसके साथ-साथ आयोग का यह भी लक्ष्य रहा है कि शासन की संस्थाओं से जो लोग अभी तक वंचित रहे हैं,

उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व एवं सामाजिक न्याय मिले। इन प्रयासों ने सरकार को और ज्यादा समावेशी और भागीदारी युक्त बनाया है।

०७. कोविड-१९ महामारी के कारण देश एक अप्रत्याशित परिस्थिति से गुजरा है। अनेक परीक्षाओं/ साक्षात्कारों को स्थगित और पुन: निर्धारित करना पड़ा। तथापि, सामान्य स्थिति हासिल करने में हमारे प्रयासों में किसी प्रकार की भी कमी नहीं रही। कोविड -१९ के कारण आयोग की अनुसूची में जो विलम्ब हुआ, उसे न्यूनतम समय में स्थिर कर लिया गया है और अब, समस्त गतिविधियां इसके कैलेंडर के अनुसार संचालित की जा रही हैं जो कि सम्मिलित एवं अतिरिक्त प्रयासों, सतत योजना, गहन परिवीक्षण, आयोग के आंतरिक एवं बाह्य समन्वय तथा सहयोग के माध्यम से संभव हो पाया है।

०८. इन योजनाबद्ध एवं सजग प्रयासों से आयोग ने वर्ष २०२१ की सभी स्थगित परीक्षाओं की परीक्षा-प्रक्रिया समयबद्ध रूप में पूर्ण की और वर्तमान वर्ष की परीक्षाएं अपने निर्धारित चरणों में पहुंच गई हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष २०२३ की परीक्षाओं/ भर्ती परीक्षणों के वार्षिक कार्यक्रम को भी अन्तिम रूप दे दिया गया है और उम्मीदवारों के हित के लिए सार्वजनिक कर दिया गया है।

०९. आयोग के समक्ष एक बड़ी चुनौती संरचनाबद्ध परीक्षाओं में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की निरंतर बढ़ती संख्या के साथ गति बरकरार बनाए रखना है। उम्मीदवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने से संबंधित कार्यभार जैसे जनशक्ति और लॉजिस्टिक व्यवस्थाएं, परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित एवं अखंडित रखने, संबंधित आर टी आई और न्यायालय संबंधी मामले आदि सहित कार्यभार में कई गुना वृद्धि हुई है। कार्यभार में काफी बढ़ोत्तरी होने के बावजूद, उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और आधुनिक तकनीकों और प्रौद्योगिकी को पनाकर आयोग ने परिस्थिति का सामना करने का भरपूर प्रयास किया गया है।

१०. आयोग का यह सतत प्रयास रहा है कि सम्पूर्ण परीक्षा/ भर्ती चक्र, आवेदन भरने से लेकर परिणामों की घोषणा होने तक प्रयोक्ता-अनुकूल (यूजर फ्रेंडली), सुलभ और समय-बद्ध रूप में संपन्न हो। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आयोग नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार तकनीकों को अपनाने में आगे रहता है। इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ते हुए आयोग ने हाल ही में उम्मीदवारों के लिए 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन' (ओटीआर) शुरू किया है जो आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के लिए वही मूल व्यक्तिगत सूचना प्रस्तुत करने की आवश्यकता को दूर करेगा। इससे न केवल डाटा भण्डारण, प्रसंस्करण और विश्लेषण आवश्यकताओं में कमी आएगी बल्कि विसंगतियाँ होने की संभावनाएं भी कम होंगी। शुल्क भुगतान में सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से, आयोग ने अब ऑन-लाइन भर्ती आवेदन (ओरआरए) शुल्क भुगतान प्रणाली में भारतीय स्टेट बैंक की बहु-भुगतान प्रणाली (एमओपीएस) शुरू की है, जिसमें पूर्व भुगतान प्रणालियों के अतिरिक्त सभी बैंकों और यूपीआई एवं इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा है।

११. उम्मीदवारों की सुविधाओं के मद्देनजर आयोग का ध्यान केवल सुगम आवेदन प्रक्रिया तक ही सीमित नहीं है। आवेदकों के स्थान के नजदीक परीक्षा केंद्र की उपलब्धता होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता विशेषकर दूर-दराज के क्षेत्रों में, सदैव एक महत्वपूर्ण मामला रहा है। इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए, आयोग ने हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला और मण्डी, उत्तराखण्ड में श्रीनगर और अल्मोड़ा, लद्दाख में लेह, गुजरात में सूरत और महाराष्ट्र में नासिक में नए परीक्षा केंद्र खोले हैं। इससे इन क्षेत्रों से आने वाले युवाओं के सामने आने वाली पहुँच संबंधी बाधाओं को कम करने और उनकी आकांक्षाओं को पूर्ण करने में बहुत सहायता मिलेगी।

१२. आयोग हमेशा से ही महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को बढ़ावा देने और आरक्षित श्रेणी एवं दिव्यांगजन उम्मीदवारों की आवश्यकताओं के लिए सुविधाओं को बढ़ाने में तत्पर रहा है। माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन को प्राथमिकता देते हुए आयोग ने दिनांक १४ नवंबर २०२१ को आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन डी ए)-।। एवं नौसेना अकादमी (एन ए)-।। परीक्षा में पहली बार महिला अभ्यर्थियों को शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। आयोग की त्वरित कार्रवाई से बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवारों को इस ऐतिहासिक कदम का हिस्सा बनने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिली। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ आर्थिक रूप से कमजोर और बैंचमार्क दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूबीडी) से संबंधित आवेदकों से प्राप्त बड़ी संख्या में प्रश्नों को संज्ञान में लेते हुए, आयोग ने उनके प्रश्नों का तत्काल एवं समुचित उत्तर प्रदान करने के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर १८००-११८-७११ शुरू किया है।

१३. ०१ अप्रैल, २०२१ से शुरू हुई अवधि के दौरान आयोग ने उत्कृष्ट कार्य किए हैं। समस्त माननीय सदस्यों और आयोग के अधिकारियों और कार्मिकों के समर्पित और अथक प्रयासों की भी मैं प्रशंसा करता हूँ कि उन्होंने टीम भावना से कार्य करते हुए अत्यधिक सीमित समयावधि में तीव्र गति से परिणामों की घोषणा की। मैं यहां विशेष रूप से सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा, २०२१ के परिणाम का उल्लेख करना चाहूंगा जिसकी घोषणा १७ दिन के रिकार्ड समय में की गई। संरचनाबद्ध परीक्षाओं के अतिरिक्त जिनमें ८३६ रिक्तियां शामिल थी, २६ पदों के लिए भर्ती परीक्षण आयोजित किए गए। आयोग ने अखिल भारतीय सेवाओं में शामिल करने के लिए १४७ चयन सूचियां भी तैयार की/ उनका पुनरीक्षण किया। एसीसी मामलों में १३५ दिन और गैर - एसीसी मामलों में १८०

दिन की निर्धारित समय-सीमा की तुलना में ६१ दिन की औसत समय-सीमा के भीतर ६७३ डीपीसी प्रस्तावों का निपटान किया गया। आयोग ने १०१ दिन के औसत समय के भीतर २८१ प्रतिनियुक्ति मामलों का भी निपटान किया। अनुशासनिक मामलों में वित्त वर्ष २०२१-२२ के दौरान ५३५ परामर्श पत्र जारी किए गए जो कि पिछले वर्ष की तुलना में न केवल २४% अधिक हैं बल्कि पिछले १५ वर्षों के दौरान सर्वाधिक भी हैं और यह उपलब्धि कोविड-१९ महामारी के बीच में आई दो लहरों के बावजूद रही। इसके अतिरिक्त आयोग ने ३६८ पदों के लिए भर्ती नियम बनाने/ संशोधन करने के प्रस्तावों पर भी परामर्श प्रदान किया।

१४. यह अत्यंत संतोषजनक है कि आयोग ने केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) और केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (सीएसएसएस) के संवर्गों के १८ वर्षों की बैकलॉग रिक्तियों को एक माह के सीमित समय में वर्ष २००४ से लेकर २०२१ तक के लिए समीक्षा और नियमित डीपीसी बैठकें आयोजित करके निपटाने हेतु एक व्यापक कार्य किया है। विभागीय प्रोन्नति समितियों ने ८,००० से अधिक अधिकारियों की लगभग ४०,००० से अधिक वार्षिक कार्य निष्पादन रिपोर्टों का मूल्यांकन किया और ५,१५९ अधिकारियों की विभिन्न ग्रेडों में पदोन्नति की सिफारिश की। इन मामलों का गंभीरतापूर्वक एवं तत्परता से निपटान करने के लिए मैं, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), आयोग सचिवालय के अधिकारियों और माननीय सदस्यगणों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा करता हूँ।

१५. हमारे कर्मचारी अन्य क्षेत्रों के क्रियाकलापों में भी ख्याति प्राप्त कर रहे हैं। इस वर्ष के प्रारम्भ में गृह मंत्रालय द्वारा पहली बार आयोजित राजभाषा तकनीकी सम्मेलन में संघ लोक सेवा आयोग के ०९ कर्मचारियों को हिंदी में

उनके द्वारा किए गए "उत्कृष्ट" कार्य के लिए शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। खेलकूद के क्षेत्र में श्री दीपक कुमार सहरावत ने दिल्ली में आयोजित अन्तर-मंत्रालयी बेस्ट फिजिक, पावर लिफ्टिंग और बेंच प्रेस प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल और इस वर्ष मालदीव में आयोजित ५४वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैंपीयनशिप में सिल्वर मैडल जीता। संघ लोक सेवा आयोग क्रिकेट टीम पिछले वर्ष भुवनेश्वर में आयोजित न्यूडम्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में भी रनर-अप रही।

१६. आयोग, सतत अध्ययन और मिलकर चलने के लोकाचार में विश्वास रखता है। भर्ती/ परीक्षाओं के क्षेत्र में एक ओर आयोग जहां वैश्विक सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों को आत्मसात करने के लिए सदैव तत्पर रहता है, वहीं दूसरी ओर अन्य राज्य लोक सेवा आयोगों को उनके संवैधानिक कार्यों को कुशलतापूर्वक निष्पादित करने में तथा उन्हें सक्षम बनाने और सशक्त करने की अपनी जिम्मेदारियों को भी बखूबी पहचानता है। इस भावना को वास्तविकता में परिवर्तित करते हुए, नाइजीरिया और मालदीव से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों ने आयोग का दौरा किया और समान हित के विषयों पर विचार-विमर्श किया। विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों ने भी समय-समय पर संघ लोक सेवा आयोग का दौरा किया और महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों एवं सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों पर विचार-विनिमय किया। राज्य लोक सेवा आयोगों के क्षमता संवर्धन के लिए उनके माननीय अध्यक्षों एवं सदस्यगणों के लिए साक्षात्कार तकनीकों पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। हाल ही में राज्य लोक सेवा आयोगों के अधिकारियों के लिए "अनुशासनिक कार्यवाही" विषय पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

१७. आयोग ने अपने कार्मिकों के कल्याण के लिए भी अनेक पहल की हैं और समय-समय पर कोविड टीकाकरण शिविरों का आयोजन करके अपने सभी कर्मचारियों का टीकाकरण करवाया है। इन प्रयासों के लिए आयोग कार्यालय को नई दिल्ली जिले की ओर से एक प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। इस वर्ष "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाने के उपलक्ष्य में आयोग ने अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए एक माह के लिए योग कक्षाएं भी आयोजित की।

१८. यह ठीक ही कहा गया है कि इस जगत में केवल 'परिवर्तन' ही "स्थायी" है। जिस वातावरण में हम काम करते हैं, वह लगातार बदलता रहता है और नागरिकों एवं सरकार की अपेक्षाएं, एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र के रूप में बढ़ रही हैं। हमें बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए और अधिक व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं नई क्षमताओं को विकसित करने और अपनाने की आवश्यकता है। हमारे द्वारा शुरू की गई सुधार संबंधी पहल हमारी इस प्रतिबद्धता की साक्षी है कि हम बदलती हुई परिस्थितियों के प्रति अपने आप को ढालने के लिए सदैव तत्पर हैं। आज आयोग ने जो गरिमा और सम्मान अर्जित किया है वह कठिन परिश्रम, उच्च मानक और अपने कर्त्तव्य निर्वहन में अपनाई गयी गरिमामय परंपरा के अनुसरण के कारण है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हमारे अधिकारियों और कार्मिकों का योगदान अमूल्य है। मुझे श्रद्धा है कि यह आगे भी ऐसे ही बना रहेगा।

१९. आयोग के स्थापना दिवस के गौरवमय अवसर पर मैं, राष्ट्रपिता को भी याद करना चाहूंगा, जिनका जन्मदिवस २ अक्टूबर "गांधी जयन्ती" के रूप में मनाया जाता है। यह हमें पूज्य बापू की सरलता, निस्वार्थता, स्वच्छता, ईमानदारी, अहिंसा और अनुशासन जैसे महान गुणों के महत्व की याद दिलाता है। आइए, यह संकल्प लें कि हम उपर्युक्त सभी गुणों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करें।

२०. आयोग के ९६वें स्थापना दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं पुनः सभी को शुभकामनाएं और हार्दिक धन्यवाद देता हूँ और सभी के कठिन परिश्रम और समर्पण भाव के प्रति आभार प्रकट करता हूँ। मुझे विश्वास है कि हम, साझे प्रयासों से आयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मैं सभी की भलाई और अच्छे स्वास्थ्य की मंगलकामना करता हूँ।

जय हिंद

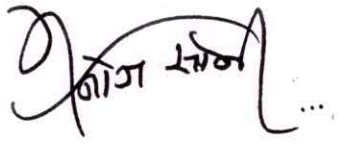

डॉ. मनोज सोनी